साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24					
CLASS - 9 SUBJECT - Sanskrit					
माह	**सप्ताह**	**पाठ का नाम**	**पाठ के उपखंड**	**कालांश**	**अधिगम प्रतिफल**
जून	सप्ताह- 1,2	पूर्वज्ञानावलोकनम् प्रथमः पाठः “भारतीवसन्तगीतिः”	वर्ण – वर्णानाम् उच्चारणस्थानानि। वर्णसंयोजनम् वर्णवियोजनम् च।	5	पूर्वज्ञान का स्मारण । प्राकृतिक सौन्दर्यावलोकन । कल्पनाशक्ति का विकास । संगीत की महत्ता ।
	सप्ताह- 2 और 3	व्याकरणम् :- संस्कृत वर्णमाला		8	वर्णों का ज्ञान । उच्चारण क्षमता का विकास । वर्णों के संयोजन एवं वियोजन की समझ ।
	सप्ताह- 3	द्वितीयः पाठः “स्वर्णकाकः”	अकारान्त पुल्लिङ्गः [बालकवत्] अकारान्त नपुंसकलिङ्गः [फलवत्] आकारान्त स्त्रीलिङ्गः [रमावत्]	7	लोककथाओं का ज्ञान । त्याग की महत्ता । कल्पनाशक्ति का विकास । लोभ के दुष्परिणाम ।
	सप्ताह- 4	शब्दरूपाणि		6	शब्दों के विभिन्न रूपों का ज्ञान । शब्दरूपों के प्रयोग की समझ । अनुवाद कौशल का विकास । संस्कृत सम्भाषण में सहजता ।
जुलाई	सप्ताह- 1,2	तृतीयः पाठः “गोदोहनम्”		8	नाट्यविधा का ज्ञान । दैनिक कार्य सम्पादन का महत्त्व । शिवभक्ति की भावना । धनलोलुपता के दुष्परिणाम । अविवेक के दुष्परिणाम ।
	सप्ताह- 2 और 3	व्याकरणम् संधि प्रकरणम्	स्वर संधि – दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण् ।	6	स्वरसंधि का ज्ञान । शब्दनिर्माण की क्षमता का विकास । तर्कशक्ति का विकास ।

	सप्ताह- 3	धातुरूपाणि	पठ्, भू, गम्, नम्, हन्, अस् [पञ्चसु लकारेषु]	5	विभिन्न क्रियापदों का ज्ञान । धातुओं का विभिन्न काल के अनुरुप प्रयोग। अनुवाद करने की क्षमता का विकास । संस्कृत सम्भाषण में सहजता ।
	सप्ताह- 4	चतुर्थः पाठः “कल्पतरूः”		6	कथासंग्रह का परिचय । जनकल्याण एवं परोपकार की भावना का विकास । जीवनमूल्यों का निरूपण । भौतिक पदार्थों से अलगाव की भावना का विकास ।
अगस्त	सप्ताह- 1	पञ्चमः पाठः “सूक्तिमौक्तिकम्”		5	नैतिकता की भावना का विकास । सदाचार एवं परोपकार की भावना का विकास । वाणी की महत्ता । सत्सङ्गति का महत्त्व।
	सप्ताह- 2	व्याकरणम् संधि प्रकरणम्	व्यञ्जन संधि–मोऽनुस्वारः, णत्वविधानम्, ‘त्’ स्थाने ‘च्’ [श्चुत्व] ‘त्’ स्थाने ‘ल्’ अक्षराणां तृतीय वर्णे परिवर्त्तनम् [जशत्व]	9	व्यञ्जन संधि का ज्ञान । वर्णपरिवर्त्तन का ज्ञान । शब्दनिर्माण की क्षमता का विकास । तर्कशक्ति का विकास ।
	सप्ताह- 3	षष्ठः पाठः “भ्रान्तो बालः”	इकारान्त [पु0] कविवत् ईकारान्त [स्त्री0] नदीवत् उकारान्त [पु0] साधुवत् ऋकारान्त [पु0] पितृवत् ऋकारान्त [स्त्री0] मातृवत्	3	स्वाध्याय की प्रेरणा । कर्त्तव्यपालन का बोध । प्रकृति का सजीव चित्रण । कुमार्ग से सन्मार्ग पर आने की प्रेरणा ।
	सप्ताह- 3 और 4	शब्दरूपाणि	सामान्य परिचयः परिभाषा प्रकारश्च] कृदन्ताः – तुमुन् , क्त्वा , ल्यप्	4	शब्दों के विभिन्न रूपों का ज्ञान । शब्दरूपों के प्रयोग की समझ । अनुवाद कौशल का विकास । संस्कृत सम्भाषण में सहजता ।

सितम्बर	सप्ताह- 1,2	व्याकरणम् प्रत्ययाः	आत्मनेपदी – सेव् , लभ् , मुद् , रूच् , याच्	3	प्रत्यय का ज्ञान । शब्दनिर्माण की क्षमता का विकास । तर्कशक्ति का विकास । शब्दों में हो रहे परिवर्त्तन की समझ । प्रत्ययों का विभिन्न वाक्यों में प्रयोग करने की क्षमता का विकास ।
	सप्ताह- 2 एवं 3	धातुरूपाणि		2	विभिन्न क्रियापदों का ज्ञान । धातुओं का विभिन्न काल के अनुरुप प्रयोग । अनुवाद करने की क्षमता का विकास । संस्कृत सम्भाषण में सहजता ।
	सप्ताह- 4	सप्तमः पाठः “प्रत्यभिज्ञानम्”		7	नाट्यविधा का ज्ञान । ऐतिहासिक ग्रन्थों का परिचय । अभिनय क्षमता में अभिवृद्धि । वाचन कौशल का विकास ।
	सप्ताह- 4 एवं 5	अष्टमः पाठः “लौहतुला”		5	कथा साहित्य का परिचय । बुद्धि कौशल का विकास । न्याय करने की सीख । लोभ का दुष्परिणाम ।
अक्टूवर	सप्ताह- 1 एवं 2	व्याकरणम् संधि प्रकरणम्	व्यञ्जन संधि – ‘र्’ पूर्वस्य रेफस्य लोपः, दीर्घस्वरत्वम् । विसर्ग संधि – विसर्ग स्थाने शस् । विसर्गस्य उत्वम्, रत्वम्, लोपः ।	5	व्यञ्जन एवं विसर्ग संधि का ज्ञान । वर्णपरिवर्त्तन का ज्ञान । शब्दनिर्माण की क्षमता का विकास । तर्कशक्ति का विकास ।

	सप्ताह- 3	प्रत्ययाः		4	प्रत्यय का ज्ञान । शब्दनिर्माण की क्षमता का विकास । तर्कशक्ति का विकास । शब्दों में हो रहे परिवर्त्तन की समझ । प्रत्ययों का विभिन्न वाक्यों में प्रयोग करने की क्षमता का विकास ।
	सप्ताह- 4	नवमः पाठः “सिकतासेतुः”		5	परिश्रम का महत्त्व । विद्याध्ययन की महत्ता । नसर्गिक पात्र-परिचय । भरतीय सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान ।
	सप्ताह- 5	व्याकरणम् उपपदविभक्तयः	द्वितीया विभक्ति अभितः, तः,उभयतः,समया, निकषा, प्रति, धिक्, विना तृतीया विभक्ति–अलम्, सह, विना, हीनः, किम्, प्रयोजनम्	6	सुस्पष्ट भाषा का प्रयोग । उपपद शब्दों के योग में विभिन्न विभक्तियों का प्रयोग । अनुवाद कौशल का विकास । लेखन कौशल का विकास । संस्कृत सम्भाषण में दक्षता ।
नवंबर	सप्ताह- 1 एवं 2	दशमः पाठः “जटायोः शौर्यम्”		6	रामायण महाकाव्य का परिचय । मानव जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास। काव्यसौन्दर्य का परिचय ।
	सप्ताह- 2 एवं 3	एकादशः पाठः “पर्यावरणम्”		4	पर्यावरण का महत्व । पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा । पर्यावरण के प्रति मानवीय संवेदना का विकास ।
	सप्ताह- 3	व्याकरणम् उपपदविभक्तयः		5	उपपद शब्दों के योग में विभिन्न विभक्तियों का प्रयोग । सुस्पष्ट भाषा का प्रयोग । अनुवाद कौशल का विकास । लेखन कौशल का विकास । संस्कृत सम्भाषण में दक्षता ।
	सप्ताह- 4	द्वादशः पाठः “वाङ्नः प्राणस्वरूपम्”		5	वैदिक ग्रन्थों का परिचय । वाणी, मन एवं प्राण के स्वरूप का ज्ञान । आत्मशक्ति का परिज्ञान ।
दिसम्बर	सप्ताह- 1 एवं 2	शब्दरूपाणि		4	शब्दों के विभिन्न रूपों का ज्ञान । शब्दरूपों के प्रयोग की समझ । अनुवाद कौशल का विकास । संस्कृत सम्भाषण में सहजता ।
	सप्ताह- 2 एवं 3	धातुरूपाणि		4	विभिन्न क्रियापदों का ज्ञान । धातुओं का विभिन्न काल के अनुरुप प्रयोग। अनुवाद करने की क्षमता का विकास । संस्कृत सम्भाषण में सहजता ।

	सप्ताह-	चित्र-वर्णनम्	अभ्यास कार्य	4	वाक्य रचना का अभ्यास । कल्पनाशक्ति का विकास । शब्दचयन की समझ । लेखन कौशल का विकास । अभिव्यक्ति कौशल का विकास ।
जनवरी	सप्ताह- 1 एवं 2	पत्र-लेखनम्	अभ्यास कार्य	4	
	सप्ताह- 2 एवं 3	अपठित-गद्यांश पाठ्यपुस्तक व्याकरणखण्ड रचनात्मक-कार्यम्	अभ्यास कार्य पुनरावृत्ति कार्य पुनरावृत्ति कार्य पुनरावृत्ति कार्य		लेखन कौशल का विकास । अभिव्यक्ति कौशल का विकास । पाठ्येतर गद्य की समझ । शीर्षक चयन की समझ्। गद्य के भाव विशेष का ज्ञान ।